MISSION CTET / STET

PRACTICE

PAPER-1

इस बार ऐसे ही प्रश्न आयेंगे

HINDI

LIVE 06:00 PM

निर्देश(1-10): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

संस्कृति और सभ्यता- ये दो शब्द हैं और उनके अर्थ भी अलग-अलग हैं। सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है। संस्कृति वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है, करुणा, प्रेम और परोपकार सीखता है। आज रेलगाड़ी, मोटर और हवाई जहाज, लम्बी-चौड़ी सड़कें और बड़े-बड़े मकान, अच्छा भोजन और अच्छी पोशाक, ये सभ्यता की पहचान हैं और जिस देश में इनकी जितनी ही अधिकता है उस देश को हम उतना ही सभ्य मानते हैं। मगर संस्कृति उन सबसे कहीं बारीक़ चीज है। वह मोटर नहीं, मोटर बनाने की कला है; मकान नहीं, मकान बनाने की रूचि है।संस्कृति धन नहीं, गुण है। संस्कृति ठाठ-बाट नहीं, विनय और विनम्रता है। एक कहावत है कि सभ्यता वह

मगर ये सारी चीजें हमारी सभ्यता के सबूत हैं, जबकि संस्कृति इतने मोटे तौर पर दिखलाई नहीं देती, वह बहुत ही सूक्ष्म और महान चीज है और वह हमारी हर पसंद, हर आदत में छिपी रहती है। मकान बनाना सभ्यता का काम है, लेकिन हम मकान का कौन-सा नक्शा पसंद करते हैं- यह हमारी संस्कृति बतलाती है।

आदमी के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह और मत्सर ये छः विकार प्रकृति के दिए हुए हैं। मगर ये विकार अगर बेरोक छोड़ दिए जायें, तो आदमी इतना गिर जाए कि उसमें और जानवर में कोई भेद नहीं रह जाये। इसलिए आदमी इन विकारों पर रोक लगाता है। इन दुर्गुणों पर जो आदमी जितना ज्यादा काबू कर पाता है, उसकी संस्कृति भी उतनी ही ऊँची समझी जाती है। संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान से बढ़ती है। जब दो देशों या जातियों के लोग आपस में मिलते है तब उन दोनों की संस्कृतियाँ

आदमी के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह और मत्सर ये छः विकार प्रकृति के दिए हुए हैं। मगर ये विकार अगर बेरोक छोड़ दिए जायें, तो आदमी इतना गिर जाए कि उसमें और जानवर में कोई भेद नहीं रह जाये। इसलिए आदमी इन विकारों पर रोक लगाता है। इन दुर्गुणों पर जो आदमी जितना ज्यादा काबू कर पाता है, उसकी संस्कृति भी उतनी ही ऊँची समझी जाती है।

Q1. मानव की मानवीयता इसी बात में निहित है कि वह---

(1) अपनी सभ्यता और संस्कृति का प्रचार करे।
(2) अपनी संस्कृति को समृद् करने के लिए कटिबद्ध रहे।
(3) सभ्यता की ऊँचाइयों को पाने का प्रयास करे।
(4) अपने मन से विद्यमान विकारों पर नियंत्रण पाने की चेष्टा करे।

संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान से बढ़ती है। जब दो देशों या जातियों के लोग आपस में मिलते है तब उन दोनों की संस्कृतियाँ एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं।

Q2.

संस्कृति का मूल स्वभाव है कि वह--

(1) मानव-मानव में भेदभाव नहीं रखती।
(2) मनुष्य की आत्मा में विश्वास रखती है।
(3) आदान-प्रदान से बढ़ती है।
(4) एक समुदाय के जीवन में ही जीवित रह सकती है।

मगर ये सारी चीजें हमारी सभ्यता के सबूत हैं, जबकि संस्कृति इतने मोटे तौर पर दिखलाई नहीं देती, वह बहुत ही सूक्ष्म और महान चीज है और वह हमारी हर पसंद, हर आदत में छिपी रहती है। मकान बनाना सभ्यता का काम है, लेकिन हम मकान का कौन-सा नक्शा पसंद करते हैं- यह हमारी संस्कृति बतलाती है।

Q3.

संस्कृति सभ्यता से इस रूप में भी भिन्न है कि संस्कृति---

-

(1) सभ्यता की अपेक्षा स्थूल और विशद होती है।
(2) एक आदर्श विधान है और सभ्यता यथार्थ होती है।
(3) सभ्यता की अपेक्षा अत्यन्त सूक्ष्म होती है।
(4) समन्वयमूलक है और सभ्यता नितान्त मौलिक होती है।

संस्कृत और सभ्यता- ये दो शब्द हैं और उनके अर्थ भी अलग-अलग हैं। सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है। संस्कृति वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है, करुणा, प्रेम और परोपकार सीखता है।

Q4.

'संस्कृति' का अभिप्राय है?

(1) हर युग में प्रासंगिक विशिष्टता
(2) विशिष्ट जीवन-दर्शन से सन्तुलित जीवन
(3) आनन्द मनाने का एक विशेष विधान
(4) मानव की आत्मिक उन्नति का संवर्धक आन्तरिक गुण

संस्कृत और सभ्यता- ये दो शब्द हैं और उनके अर्थ भी अलग-अलग हैं। सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है। संस्कृति वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है, करुणा, प्रेम और परोपकार सीखता है।

Q5.

'सभ्यता' का अभिप्राय है----

(1) मानव को कलाकार बना देने वाली विशेषता

(2) मानव के भौतिक विकास का विधायक गुण

(3) मनुष्य के स्वाधीन चिंतन की गाथा

(4) युग-युग की ऐश्वर्यपूर्ण कहानी

संधि → मेल / जोड़

Q6.

गद्यांश में दिया गया 'परोपकार' शब्द में कौन-सी संधि है?

(1) दीर्घ संधि
(2) गुण संधि
(3) व्यंजन संधि
(4) वृद्धि संधि

पर + उपकार
अ + उ = ओ

आ, ई, ऊ

ए, ओ

गुण संधि

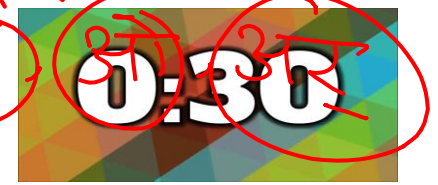

दिग्गज → दिक् + गज

Q7.

'विनय' का पर्यायवाची शब्द बताइए?

(1) निवेदन

(2) अनुनय

(3) गुजारिश

(4) इनमें से सभी

इल्तजा विनती. प्रार्थना

Q8.

'रेलगाड़ी' शब्द है---

(1) तद्भव

(2) देशज

(3) विदेशज

(4) संकर

संकर

रेल + गाड़ी

अंग्रेजी + हिन्दी

पूँजीपति

पूँजी + पति

हिन्दी + संस्कृत

छायादार

छाया + दार

संस्कृत + फारसी

Q9. → सहानुभूति / दया

'करुण' का विलोम शब्द बताइए-

(1) निश्चूर → कठोर
(2) निष्ठुर
(3) निष्ठर
(4) निस्थुर

0:30

Q10.
'पुत्ररत्न' में कौन-सा समास है?

(1) तत्पुरुष समास
(2) बहुव्रीहि समास
(3) कर्मधारय समास
(4) अव्ययीभाव समास

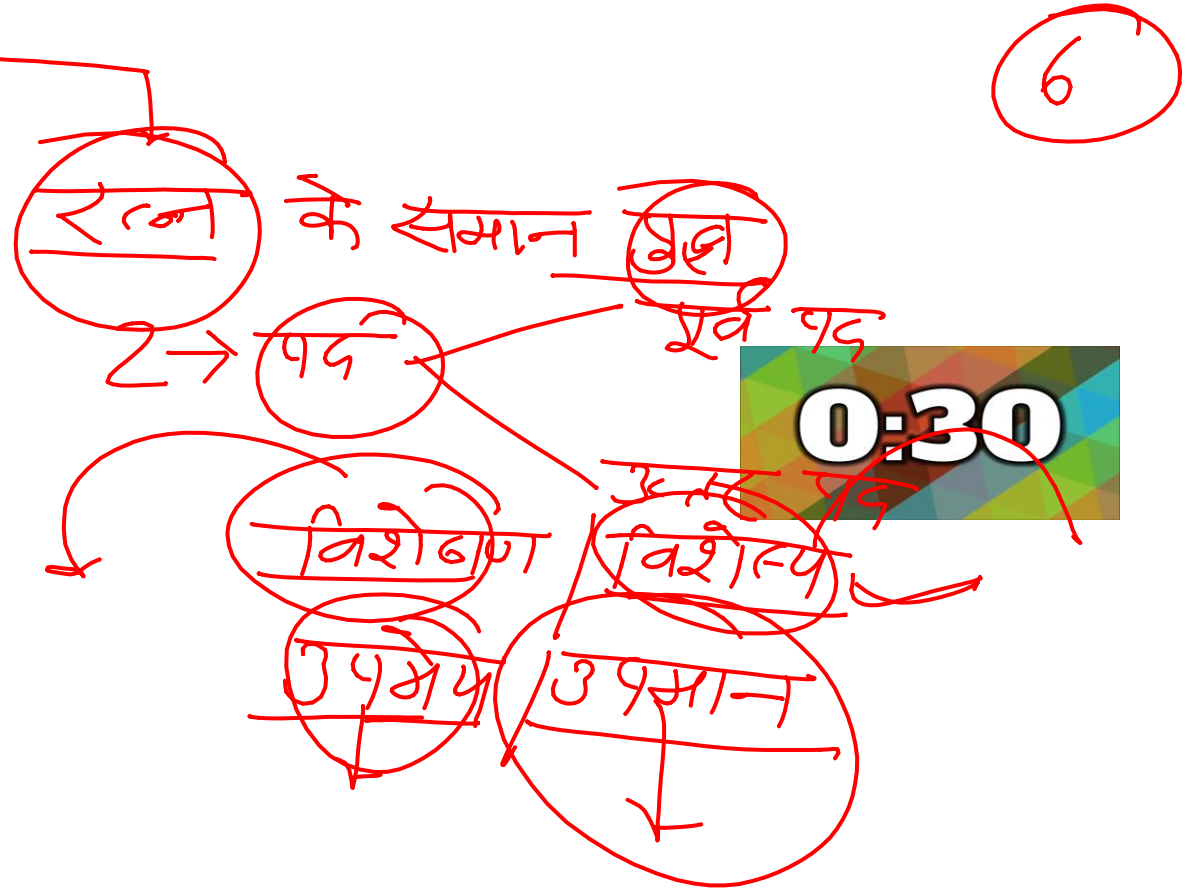

निर्देश(11-15): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

सुना है दधीची का वह त्याग, हमारी जातीयता विकास।
पुरन्दर ने पवि से है लिखा, अस्थि युग का मेरा इतिहास।
सिंधुसा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का उत्साह
दे रहा अभी दिखाई भग्न, मग्न रत्नाकर में वह राह।
धर्म का ले-लेकर जो नाम, हुआ करती बलि,

Q11.

दधीची ने क्या त्याग किया था?

(1) धन का त्याग
(2) शरीर का त्याग
(3) अपनी अस्थियों का त्याग
(4) [0:30] त्याग

निर्देश(11-15): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

सुना है दधीचि का वह त्याग, हमारी
जातीयता विकास।
पुरन्दर ने पवि से है लिखा, अस्थि युग का मेरा
इतिहास।
सिंधुसा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का
उत्साह
दे रहा अभी दिखाई भग्न, मग्न रत्नाकर में वह
राह।
धर्म का ले-लेकर जो नाम, हुआ करती बलि,

Q12.
निर्वासित किसे कहा गया है?

(1) श्री कृष्ण को
(2) श्री राम को
(3) बुध को
(4) शिव को

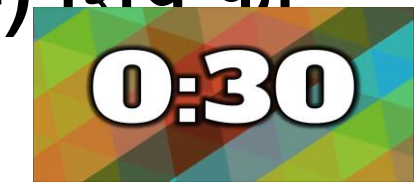

निर्देश(11-15): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

सुना है दधीची का वह त्याग, हमारी
जातीयता विकास।
पुरन्दर ने पवि से है लिखा, अस्थि युग का मेरा
इतिहास।
सिंधुसा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का
उत्साह
दे रहा अभी दिखाई भग्न, मग्न रत्नाकर में वह
राह।
धर्म का ले-लेकर जो नाम, हुआ करती बलि,

Q13.

'धर्म के नाम पर बलि' से क्या आशय है?

(1) पशुबलि
(2) नरबलि
(3) राजाबलि
(4) बलशाली

0:30

0:30

निर्देश(11-15): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

सुना है दधीची का वह त्याग, हमारी
जातीयता विकास।
पुरन्दर ने पवि से है लिखा, अस्थि युग का मेरा
इतिहास।
सिंधुसा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का
उत्साह
दे रहा अभी दिखाई भग्न, मग्न रत्नाकर में वह
राह।
धर्म का ले-लेकर जो नाम, हुआ करती बलि,

Q14.

'लोहे की विजय' से क्या आशय है?

(1) मशीनों की जीत

(2) हथियारों के बल पर जीत

(3) लोहे का कारोबार

(4) लोहा मनवाना

निर्देश(11-15): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

सुना है दधीची का वह त्याग, हमारी जातीयता विकास।
पुरन्दर ने पवि से है लिखा, अस्थि युग का मेरा इतिहास।
सिंधुसा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का उत्साह
दे रहा अभी दिखाई भग्न, मग्न रत्नाकर में वह राह।
धर्म का ले-लेकर जो नाम, हुआ करती बलि,

Q15.

कौन-सा सम्राट भिक्षु बन गया था?

(1) अशोक
(2) गौतम बु
(3) बिम्बसार
(4) राम

Thank You !